हिंदुस्तानी संगीत की

एनसाइक्लोपीडिया

पुस्तक नं. ६.

इस पुस्तक में —

खमाज थाट के १२ रागों के १२ सुप्रसिद्ध स्वरमालिका और धृपद, धमार, तराणा, ठुमरियां, इ. के पुराणी उस्तादी खान्दानि ४० चीजों का अपूर्व संग्रह नोटेशन के साथ किया है.

लेखक और प्रकाशक:

पंडित फिरोझ फ्रामजी, (संगीतशास्त्री)

अनेक संगीत ग्रंथों के कर्ते.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १। रुपया.

सशास्त्र

हिंदुस्तानी गायकी क्रमिक पुस्तकमालिका.

अर्थात्

तानालाप सह गाने बजानेको सहलतासे सिखलानेवाली हिंद भाषा की क्रमिक पुस्तक.

भाग १-२-३-४.

इस पुस्तक में करीब ६६ आलापयोग्य रागों के चुनीदा लोकप्रिय ख्याल, ठुमरियां, इत्यादि आलाप, तान, और किसम २ के **बोलतान** के साथ नोटेशन में विस्तार-पूर्वक दिया है. ग्रंथविस्तार बहोत बडा होगा, अतएव यह पुस्तक चार भाग में प्रकाशित होगा. नए सीखनेवाले विद्यार्थिओं के सुगमता के लिए सब रागों की व्यवस्था क्रमवार कीई गई है. इन चारों भागों को अच्छी प्रकार से अभ्यास करनेसे "**गायक**" होनेकी बडी सुलभता होगी.

बिना उस्ताद तथा बारह वर्ष **ताना रीरी** करानेवाले उस्तादों कि तानपुरा पर गाने का ढंग ऐसे सादे ढंग से दिया है कि थोडे ही अभ्यास से हझारों लाखों गायनाचार्य तैयार हो जायेंगे. जिस किसी को तान आलापसह गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उस के लिये यह पुस्तक बहोत उपयोगी शिक्षक होगा.

लेखक और प्रकाशक:

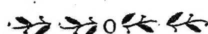
पंडित फिरोझ फ्रामजी,
संगीतशास्त्री.

३२२, मेन स्ट्रीट,
कँप—पुना.

हिंदुस्तानी संगीत की

एनसाइक्लोपीडिया

पुस्तक नं. ६.



इस पुस्तक म —

खमाज थाट के १२ रागों के १२ सुप्रसिद्ध स्वरमालिका और धृपद, धमार, तराणा, ठुमरियां, इ. के पुराणि उस्तादी खान्दानि ४० चीजों का अपूर्व संग्रह नोटेशन के साथ किया है.



लेखक और प्रकाशक:

पंडित फिरोझ फ्रामर्जी, (संगीतशास्त्री)

अनेक संगीत ग्रंथों के कर्ते.

३२२, मेन स्ट्रीट, कँप, पुना.

सन १९३६.

मूल्य १। रुपया.

Printed by P. M. Modi, at the ISRAELITE PRESS, 6, Church Road, Poona, and Published by PANDIT FIROZE FRAMJEE, 322, Main Street, Camp, Poona.

अनुक्रमणिका.

राग नाम.	पृष्ठ.	राग नाम.	पृष्ठ.
१ खमाज	५	७ देस	२१
२ झिंझोटी	९	८ तिलक कामोद ...	२६
३ तिलंग	१३	९ बिहारी	३१
४ खंबावती	१५	१० जयजयवंती	३१
५ रागेश्री	१७	११ गारा	३६
६ सोरठ	१९	१२ भटियार	३९

सूचना.

उपरोक्त सब रागों का शास्त्रीय विवरण हमारे "**राग – लक्षण – गीतमालिका**" पुस्तक के प्रथम भाग में दिये हैं सो देखिए.

खमाज थाट के राग.

खमाज – त्रिताल.

ऽ ऽ सारें सांसां । नीध पध पम् ग । ऽ म् प ध ॥ नी ऽ सां ऽ । ऽ ऽ पध रेंसां ।
२ ० ३ = २

नीध पध पम् ग । ऽ गम् प ध ॥ नी ऽ सां ऽ । नी नी ऽ सां । ऽ नी सां ऽ । रें ध नीं धप ॥
० ३ = २ ० ३

ग म् प ध । म् ग, सारें सांसां । नीध पध पम् ग । ऽ म् प ध ॥ नी ऽ सां ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ ।
= २ ० ३ = २

म् × नी रें
।: ग म् ध नी । सां ऽ नी सां ॥ सां ऽ नीसां रेंसां । ऽ नीं ध ऽ :। ऽ सां गं ऽ । मं गंरें नी सा ॥
० ३ = २ ० ३

ऽ नी सां रें । सांनीं धप नीसां रेंसां, । नीध पध पम् ग । ऽ म् प ध ॥ नि ऽ सां ऽ ।
= २ ० ३ =

खमाज – दादरा.

सावरिया रे काहे मारे नजरिया.

चंचल गोरी, मदभर नैना, चितवत मारे कटरिया. ॥ रे काहे ॥ १

बिंद्राबन की कुंज गलिनमों, मथुरा नगरकी गुजरिया. ॥ रे काहे ॥ २

ऽ ग म्	प प ध	पध नीसां ऽ	ध सां नीं	नीं ध प	ग ऽ म्
ऽ सा व	रि या ऽ	रेऽ ऽ ऽ	का ऽ ऽ	हे ऽ ऽ	मा ऽ ऽ
=	०	=	०	=	०

प ऽ ऽ | गप धसा नी॒धप || ग प म् | ग ऽ ऽ || ऽ ग म् | ध ध नी॒
रे ऽ ऽ | नऽ ऽ ऽ || ज ऽ रि | या ऽ ऽ || ऽ सा व | रि या ऽ

पध पध नीसां | ऽ धसां नी॒ || नी॒ ध प | ग ऽ म् || प ऽ गप | धसां सांनी॒ धप
रेऽ ऽ ऽ | ऽ काऽ ऽ || है ऽ ऽ | मा ऽ ऽ || रे ऽ नऽ | ऽ ऽ ऽ

ग प म् | ग ऽ ऽ || ऽ ऽ ग | म् प नी || नी नी ऽ | नी सां नी
ज ऽ रि | या ऽ ऽ || ऽ ऽ अ | रे न ज || रि या ऽ | न ज रि

सांरें नीसां ऽ | नी॒ ध नी॒ || ध नी॒ प | ध प ध || नी सां ऽ | ध सां नी॒
याऽ ऽ ऽ | सा व री || या ऽ रे | ऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ ऽ | का ऽ ऽ

नी॒ ध प | ग ऽ म् || प ऽ ऽ | गप धसां नी॒धप || ग प म् | ग ऽ ऽ
है ऽ ऽ | मा ऽ ऽ || रे ऽ ऽ | नऽ ऽ ऽ || ज ऽ रि | या ऽ ऽ

×
म् प म् | ग रे ग || ऽ रे ऩी || ऽ सा ऽ || ऽ ऽ नी | ऽ नी नी
आ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ चं | ऽ च ल

सां ऽ सां | ऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ नी | नी नी नी || सांनी॒ धप धनी॒ | प ऽ ऽ
गो ऽ री | ऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ म | द भ र || नैऽ ऽ ऽ | ना ऽ ऽ

ऽ ऽ ऽ | गम् पध नीसां || धनी॒ पध नी | ऽ नी नीध || नीसां ऽ सां | ऽ ऽ ऽ
ऽ ऽ ऽ | आऽ ऽ ऽ || ऽ ऽ चं | ऽ च लऽ || गोऽ ऽ री | ऽ ऽ ऽ

ऽ ऽ नी | नी नी नी || पध नीरें सांरें | नीसां नी॒ध पध || प ऽ म् | ध ध ध
ऽ ऽ म | द भ र || नैऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ || ना ऽ चि | त व त

*
ध ऽ ध | ऽ ऽ नी॒ || ध नी॒ ध | नी॒ पध पध || नीसां ऽ ऽ | ध सां नी॒
मा ऽ रे | ऽ ऽ क || ट रि या | ऽ रेऽ ऽ || ऽ ऽ ऽ | का ऽ ऽ

नी॒ ध प | ग ऽ म् || प ऽ ऽ | ऽ म्ध पध || ग प म् | ग ऽ ऽ
है ऽ ऽ | मा ऽ ऽ || रे ऽ ऽ | ऽ नऽ ऽ || ज ऽ रि | या ऽ ऽ

नीसा गम् पध | नीसां ऽसां पध ‖ मूप नूी धप | मूप मूग ऽ ‖
आऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ‖ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ‖

मू ग ऽरे | नी सा ऽ ‖
ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ‖ सावरिया रे, इ.

खमाज – झपताल.

हरि के चरण आज चित तूं लगा ले, रे मूढ अब तनिक तो चेत मन सों.

ऋद्धि नव निद्धि यश भोग त्रेलोक्य में, अन्त कलि मलन को धो देत तन सों.

सां म्
नी सां | नी सां रें | ध सां | नूी ध प ‖ ग मू | प पधनूीऽ धप | ग प | मू ग ऽ
ह रि | के ऽ च | र ण | आ ऽ ज ‖ चि त | तूं ऽ लऽ | गा ऽ | ले ऽ ऽ
= २ ० ३ = २ ० ३

सा रें
नी सा | ग ऽ मू | प ध | नी सां सां ‖ पं नी | सां ऽ रें | नी सां | नूी ध पध
रे ऽ | मू ऽ ढ | अ ब | त नी क ‖ तो ऽ | चे ऽ त | म न | सों ऽ ऽ

अ× सां सां
ग मू | नूी ध नी | सां ऽ | नी सां सां ‖ नि सां | नि सां रिं | ध सां | नूी ध ऽ
ऋ ऽ | द्धि न व | नि ऽ | द्धि य श ‖ भो ऽ | ग त्रे ऽ | लो ऽ | क्य में ऽ

सां ऽ | गं ऽ मूं | गं रें | सां नूी ध ‖ प नी | सां निसां रिं | नि सां | नि ध पध
अ ऽ | न्त ऽ क | लि म | ल न को ‖ धो ऽ | दे ऽ त | त न | सों ऽ ऽ

खमाज – चौताल.

बौंसी धुनसों बजाय, बाजत श्री बिंद्राबन, उमंद घुमंड बोलत घन, गरजत बादर बिमान.

रहस रहस गोपी जन, दामिनि जैसी दमकत, नैना रतनारे कारे, भोंह सोहे धनुष बान.

म्
|: नी ऽ | सां ऽ | प नी | सां रें | सां नूी | धपध :‖ मू ऽ | प ध | सां नूी | ध प | ग मू | ग ग
बौं ऽ | सी ऽ | धु न | सों ऽ | ब जा | ऽ य :‖ बा ऽ | ज त | श्री ऽ | बिं ऽ | द्रा ऽ | व न
= ० २ ० ३ ४ = ० २ ० ३ ४

					सां						
सा सा	ग म्	प प	नी ऽ	सां सां	नी सां ‖	रें रें	सां नी	सां नी	रें सां	ऩी ध	प ध
उ मं	ड घु	मं ड	बो ऽ	ल त	घ न ‖	ग र	ज त	बा ऽ	द़ र	बि मा	ऽ न

अ ×						मं		सां			
म् ग	म् ऩी	ध नी	सां ऽ	सां रें	सां सां ‖	गं मं	गं रें	नी ऽ	सां रें	सां ध	ऩी ध
र ह	स र	ह स	गो ऽ	पी ऽ	ज न ‖	दा ऽ	मि नि	जै ऽ	सी ऽ	द़ म	क त

					सां						
म् ऽ	ग ऽ	ग म्	प ध	नी सां	ऩी सां ‖	रें गं	रें सां	ऽ नी	रें सां	ऩी ध	प ध
नै ऽ	ना ऽ	र त	ना ऽ	रे का	ऽ रे ‖	भों ऽ	ह सो	ऽ हे	ध नु	ष बा	ऽ न

तराणा – खमाज – त्रिताल.

ओद़न द़ीम तोम तना, तद़ारे तारेद़ानि, ओद़ानि द़ानि तद़ानि द़ीम तन.

यलालि यललि यललों यललों, धितिलि तोम तन तोम तन तोम तना.

				रें	नी
सां ऩी ध प	ऽ ध ग म् ‖	ग ऽ ऽ गम्	प ग म् ग	ऩी ऩी सा सा	सा सा ग ग ‖
ओ द़ न द़ी	ऽम्तो ऽम्त ‖	ना ऽ ऽ ऽ	त द़ा ऽ रे	ता रे द़ा नि	ओ द़ा नि द़ा ‖
०	३	=	२	०	३

		*			
म् म् प प	ध नी सां रें	सां ऩी ध प	ऽ ध ग म् ‖	ग ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
नि त द़ा नि	द़ी ऽ म्त न	ओ द़ न द़ी	ऽम्तो ऽम्त ‖	ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२

×					रें
ग ग म् ऩी	ध प ध नी ‖	सां नी सां रें	सां नी सां ऽ	सां गं रें गं	ऽ नी नी रें ‖
य ल लि य	ल लि य ल ‖	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ	धि ति लि तो	ऽ म्त न तो ‖
०	३	=	२	०	३

ऽ नी नी सां	ऽ ध नी रें	सां ऩी ध प	ऽ ध ग म् ‖
ऽ म्त न तो	ऽ म्त ना ऽ	ओ द़ न द़ी	ऽम्तो ऽम्त ‖
=	२	०	३

[इति खमाज राग समाप्त]

झिंझोटी – तेवरा.

नी़ ध़ ऽ । सा सा । ग रे ॥ म् ग रे । ग् रे । सा ऽ ॥ रे नी़ ऽ । सा ऽ । नी़ ध़
= २ ३ = २ ३ = २ ३

म़् प़ ध़ । सा रे । ग म् ॥ प ऽ म् । ग म् । ध ऽ ॥ नी ध नी । प ध । म् नी
×

ध प म् । प ध । सां ऽ ॥ नी ध प । म् ग । रे सा ॥ म् ग म् । ध नी । प ध

सां ऽ सां । ध ध । सां रें ॥ गं मं गं । सां ऽ । सां रें ॥ नी सां ध । नी प । ध म्

ग म् प । ध नी । प ध ॥ सां रें सां । ऽ गं । रें सां ॥ रें सां नी । ध प । म् नी.

ध प म् । ग रे । सा ऽ ॥

झिंझोटी – त्रिताल

दरस बिन तरसि तरसि रहे नैन,
घडि घडि पल छिन मोहे न भावे, परत नहीं दिल चैन.–दरस
जबसे गोकुल तज गयो सावरो, कहे न गयो कछु बैन,
कहे सरदार श्याम बिन देखे, कटत नहीं दिन रैन.–दरस

ऽ ऽ ऽ ।: नी़	प़ ध़ सा रे ‖	म् ग रे प	म् ग सा रे	म् ग रेनीसा :। ऽ	सा सा ग ग ‖
ऽ ऽ ऽ द	र स बि न ‖	त र सि त	र सि र हे	नै ऽ ऽऽन ऽ	घ डि घ डि ‖
०	३	=	२	०	३

ग म् रे ग	सा नी़ सा रे	ध़ नी़ ध़ ऽ	प़ ध़ सारे ग ‖	गम् प म्प ध	म्ग म् रे ग
प ल छि न	मो ऽ हे न	भा ऽ वे ऽ	प र तऽ न ‖	हींऽ ऽदिऽ ल	चैंऽ ऽ ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२

सा नी़ सा, नी़*	प़ ध़ सा रे ‖	म् गं रे गम्प	म् ग सा रे	सा सा ग ऽ	म् प प प ‖
ऽ ऽ न, द	र स बि न ‖	त र सि तऽऽ	र सि र हे	ज ब से ऽ	गो ऽ कु ल ‖
०	३	=	२	० ×	३

ग मृ प ध	ग प मृगरे ग	ग मृ पध सां	नी ध प ध ‖	ग मृ ग ग	सारेग प मृ ग
त ज ग यो	सा ऽ वऽऽ रो	क हे नऽ ग	यो ऽ क छु ‖	बै ऽ ऽ न	हांऽऽ ऽ रे ऽ
=	२	०	३	=	२

ग ग रे गमृ	पध मृ ग रे ‖	नी नी सा रे	नी सां नी ध	प प ध सा	सा रे ग रे ‖
क हे स रऽ	दाऽ ऽ रइया ‖	ऽ म बि नु	दे ऽ खे ऽ	क ट त न	हीं ऽ दि न ‖
०	३	=	२	०	३

		*	
गमृ प मृप ध	मृग मृ रे ग	सा नी सां, नि	प ध सा रे ‖
रैऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, द	र स बि न ‖
=	२	०	३

झिंझोटी – चौताल.

अंखियां जोहतीं अब नैन भये कजरा जो दियो मृग छौनन को.
तब बारीहती अब नार भई पिया सेजके बीच बिछौनन को.
"रसखान" कहें चतुराई सिखों, दिन बीत रहे हैं गौनन को.
अब खेलो खेल पिया संग खेन गयो दिन खेल खिलौनन को.

		सा									
ग ऽ	सा सारे	नी ऽ	ध धप	सा ऽ	ऽ सासा ‖	ग मृ	ऽ पध	सां ऽ	नी ऽ	पध सां	नी धप
तीं ऽ	ऽ अब	नै ऽ	न भऽ	ये ऽ	ऽ कज ‖	रा ऽ	ऽ जोदि	यो ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ मृग
=	०	२	०	३	४	=	०	२	०	३	४

			*					सा			×
ध प	मृ गग	ग सा	रे रेप	मृ ऽ	ऽ गग ‖	ग ऽ	सा सारे	नी ऽ	ध धप	सा ऽ	ऽ मृप
छौ ऽ	ऽ नन	को ऽ	ऽ अंखि	यां ऽ	ऽ जोह ‖	तीं ऽ	ऽ अब	नै ऽ	न भऽ	ये ऽ	ऽ तब

		सां		सां				रें		सां	
सां ऽ	नी मृप	ध सां	ऽ पप	ध सां	ऽ रेंमृं ‖	ग सा	ऽ सांरें	नी ऽ	ध प	ध सां	नी धप
बा ऽ	ऽ रीह	ती ऽ	ऽ अब	ना ऽ	ऽ रभ ‖	ई ऽ	ऽ पिया	से ऽ	ज के	बी ऽ	ऽ चबि

			*			(संचारी				सा	
ध प	मृ गग	ग सा	रे रेप	मृ ऽ	ऽ गग ‖	सासा मृ	ऽ मृग	ग ऽ	सा सारे	नी ऽ	ध पध
छौ ऽ	ऽ नन	को ऽ	ऽ अंखि	यां ऽ	ऽ जोह ‖	रस खा	ऽ नक	हें ऽ	ऽ चतु	रा ऽ	ऽ इसि

(आभोग)

सा धृ सा	ग मृप	सां धसां	ऽ रेंगं	गं सां	नी धप	ध प	मृ गग	ग सा	रे रेप *	मृ ऽ	ऽ मृप
खो ऽ	ऽ दिन	बी ऽ	ऽ तर	हे ऽ	हैं ऽ	गौ ऽ	ऽ नन	को ऽ	ऽ अंखि	यां ऽ	ऽ अब

सां ऽ	नी पध	सां ऽ	ऽ पप	सां ध सां	ऽ रेंमृं	गं ऽ	सांसांसां	नी ऽ	धनीपध	सां ऽ	नी धप
खे ऽ	ऽ लोऽ	खे ऽ	ऽ लपि	या ऽ	ऽ संग	खे ऽ	ऽ नग	यो ऽ	ऽ दिन	खे ऽ	ऽ लखि

ध प	मृ गग	ग सा	रे रेप *	मृ ऽ	ऽ गग
लौ ऽ	ऽ नन	को ऽ	ऽ अंखि	यां ऽ	ऽ जोह

झिंझोटी – धमार

आयो फागुन मास सखी री मोहन संग खेलत होरी.

अबीर गुलाल की भर पिचकारी मुख भीजत है बरजोरी.

नी़ ऽ	ध़ प़ध़	सा ऽ ग	रे पमृ	ग ऽ	सा ऽ रे	प मृ	ग सा	सा नी़ ऽ ऽ	ध़ प़ध़
आ ऽ	यो ऽ	फा ऽ गु	न ऽ	मा ऽ	स ऽ स	खी ऽ	री ऽ	मो ऽ ऽ	ह नऽ
३	०	=	०	२	०	३	०	=	०

सा ऽ	सा ऽ ऽ	सा ऽ	रे मृ	ग ऽ सा	ऽ रे	मृ ऽ	ग ऽ सा	ऽ ऽ	ऽ ऽ
सं ऽ	ग ऽ ऽ	खे ऽ	ल त	हो ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	री ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ
२	०	३	०	=	०	२	०	३	०

× मृ मृ ऽ	प ध	सां ऽ	ध सां प ऽ	ध सां	रें मृं	गं ऽ सां	नि ऽ	ध प
अ बी ऽ	र गु	ला ऽ	ल की ऽ	भ र	पि च	का ऽ ऽ	री ऽ	मु ख
=	०	२	०	३	०	=	०	२

मृ ऽ ऽ	प ध	सां नी	ध प ऽ	ध प	मृ ऽ	ग ऽ सा
भी ऽ ऽ	ज त	है ऽ	ब र ऽ	जो ऽ	ऽ ऽ	री ऽ ऽ
०	३	०	=	०	२	०

चतरंग - झिंझोटी - त्रिताल.

चतरंगको भेद गुनियनमें गाय, कर ग्यान ध्यान मन सोच समज.

तनुम तनन द्रे द्रे तारे तदरेदानि, ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे द्रे द्रे तदरे तदानि. ॥ चतरं

नी ध प ध सा रे प म् ग रे सा, रे ग म ग म प सा नी ध प म ग रे सा.

सा सा रे, रे रे ग, ग ग म, म म प, प प ध, ध ध नी, नी नी सा,

सा नी ध प म ग रे सा.

नक धेत् धा किटतक धेत् धिन्ना किटतक, तक धुम किटतक कर तिक कर नक,

तक लान्.तक धा ति धा क्रान तक धा ति धा.

। । प म्	ग रे सा नी्	ध् प् सा रे	म् म् म् ग	रे ग प म्	ग रे सा नी्
। । च त	रं ग को भे	ऽ द गु नि	य न मे गा	ऽ य च त	रं ग को भे
२	०	३	=	२	०

ध् प् सा रे	म् म् म् ग	रे ग ग म्	प ऽ म प	ऽ प म् ग	म् ध प म्
ऽ द गु नि	य न मे गा	ऽ य क र	ग्या ऽ न ध्या	ऽ न म न	सो ऽ च स
३	=	२	०	३	=

ग ग ग म्	प नी् ध नी्	ध प म् ग	म् ध प म्	ग ग ग म्	प सां नी सां
म ज क र	ग्या ऽ न ध्या	ऽ न म न	सो ऽ च स	म ज क र	ग्या ऽ न ध्या
२	०	३	=	२	०

		*			
ध ध प ग	म् ध प म्	ग ग प म्	ग रे सा नी्	ध् प् सा रे	म् म् म् ग
ऽ न म न	सो ऽ च स	म ज च त	रं ग को भे	ऽ द गु नि	य न मे गा
३	=	२	०	३	=

	×				
रे ग प म्	: सा ग ऽ म्	प म् प प	ग ऽ म् प	म् म् ग ग :	प सां नी सां
ऽ य च त	त नो ऽ म्त	न न द्रे द्रे	ता ऽ रे त	द रे दा नि	ना द्रे द्रे तुं
२	०	३	=	२	०

		*			
ध ध प प	प ध प म्	ग ग प म्	ग रे सा नी्	ध् प् सा रे	म् म् म् ग
द्रे द्रे द्रे द्रे	त द र त	दा नि च त	रं ग को भे	ऽ द गु नि	य न मे गा
३	=	२	०	३	=

ग ॥

रे ग प म् | ग रे सा नी़् | ध़ प़ सा रे ‖ नी़् ध़ प़ ध़ | सा ऽ रे ऽ | प म् ग रे |
ऽ य च त | रं ग को भे | ऽ द गु नि ‖ = | ३ | ० |
२ ० ३

सा ऽ ऽ ऽ ॥ रे ग म् ग । म् प सां ऽ । नी़् ध प म् । ग रे सा ऽ ॥ सा सा रे ऽ ।
३ = २ ० ३ =

रे रे ग ऽ । ग ग म् ऽ । म् म् प ऽ ॥ प प ध ऽ । ध ध नी ऽ । नी नी सां ऽ ।
२ ० ३ = २ ०

सां नी़् ध प ॥ म् ग रे सा | सासा ग ऽग म् | पप मम् प ऽप | ध ध सांसां सांसां ‖
३ = | नक धे ऽत धा | किट तक धे ऽत | धि न्ना किट तक ‖
२ ० ३

धध नीनी सांसां सांसां | धध नीनी सांसां सांसां | नीनी ऽसां ऽसां रेंरें | सां नी़् ध प ‖
तक धुम किट तक | कर तिक कर नक | तक ला ऽन तक | धा ति धा क्रां ‖
= २ ० ३

ऽप धध प म् | ग ऽ प म् | ग रे सा नी़् | ध़ प़ सा रे ‖
ऽन तक धा ति | धा ऽ च त | रं ग को भे | ऽ द गु नि ‖
= २ ० ३

[इति झिंझोटी राग समाप्त]

तिलंग - त्रिताल.

|: ग ऽ सा ग । सा ग म् प । म् ऽ प नीसां । नी़् प ग म् :॥ ग सा सां नी ।
= २ ० ३ =

सांनी़् पम् मग ऽसा । नी़सा गम् पनी ऽसां । सारें सांनी़् पम् गम् ॥ ग ऽ सा ग ।
२ ० ३ =

अ×

साग मप गम् पनी़् । मप नीसां पनी सांरें । सांनी़् पनी़् पम् गम् ॥ गम् पनी सां सांसां ।
२ ० ३ =

पनी सांरें सांनी सां । गं रेंगं ऽरें सांनी़् । पनी सांरें सांनी़् पम् ॥
२ ० ३

तिलंग – त्रिताल.

पनिया भरन मैं कैसे जाऊं घरसूं.
मग रोकी ठाडो मोंसे करत बरजोरी श्याम,
लटक रही चुंदरी सरसूं. ॥ पनिया ॥
परत पैयां लेवुं बलैयां,
तोसे बिनती करत मैं हारी, येह धीट लंगरवा,
लपट झपट मोरी मटकी पटकी सरसूं. ॥ पनिया ॥

। । ।: ग म्	प नी सां रें	सां नी् प म्	ग सा ग म् ‖	प ऽ :। ग म्	प नी् प नी
। । प नि	या भ र न	मैं कै से जा	ऽ ऊं घ र ‖	सू ऽ म ग	रो ऽ की ठा
=	२	०	३	=	२

सां सां सां नी	सां गं रें मं् ‖	गं रें सां नी	सां प ग म्	प नी सां रें	सां नी् प म् ‖
ऽ डो मों से	क र त ब ‖	र जो री श्या	ऽ म ल ट	क र ही चुं	द री स र ‖
०	३	=	२	०	३

ग ऽ ग* म्	प नीं सां रें	सां नी् प म्	ग सा ग म् ‖	× म् म् प नी्	प नी सां नी
सूं ऽ प नि	या भ र न	मैं कै से जा	ऽ ऊं घ र ‖	प र त पै	यां ले उं ब
=	२	०	३	=	२

सां ऽ सां ऽ	मं् गं सां मं् ‖	गं रें नी सां	नी् प म् ग	सा ग म् प	ग म् ग ऽ ‖
लै ऽ यां ऽ	तो से बि न ‖	ती क र त	मैं हा ऽ री	ये धी ट लं	ग र वा ऽ ‖
०	३	=	२	०	३

ऩी सा ग म्	प नी् प नी	प नी सां रें	सां नी् प म् ‖	ग ऽ ग* म्
ल प ट झ	प ट मो री	म ट की प	ट की स र ‖	सूं ऽ प नि
=	२	०	३	=

तिलंग – सूलताल.

प्रथम परवरदिगार उत्तम अरश पर रचो दोऊ जग तारनको
अपने नूरसे पंज तनको औतार. ॥ प्रथम ॥
हजरत रसूल मकबूल अल्ला के प्यारे, अली औलिया हैदरे करार.

सा ग	ऽ म	म् प	नी प	नी नी (सां सां)	सां सां	सां रें	सां नी	नी प	म् ग
प्र थ	ऽ म	प र	व र	दि गा	ऽ र	उ ऽ	च म	अ र	श प
=	०	२	३	०	=	०	२	३	०

गम् प	म् ग	सा ग	म् प	नी प	सां नी	प म्	ग ऽ	सा ग	म् प
रऽ र	चो ऽ	दो ऊ	ज ग	ऽ ऽ	ता ऽ	र न	को ऽ	अ प	ने नू

नी प	सां सां	रें सां	नी नी	म् प	सां ऽ	ऽ ऽ	नी ऽ	प म्	ग ऽ
ऽ र	से पं	ज त	न को	औ ऽ	ता ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र ऽ

×

म् ग	म् प	प नी	प प	नी नी (सां सां)	नी सां (सां)	सां ऽ	सां ऽ	नी ऽ	प ऽ
ह ज	र त	र सू	ऽ ल	म क	बू ऽ	ल ऽ	अ ऽ	छा ऽ	के ऽ

(प) म् ऽ	ग ऽ	सा ग	ऽ म्	प प	(प) नी प	सां ऽ	रें सां	नी प	म् प
प्या ऽ	रे ऽ	अ ली	ऽ औ	ऽ लि	या ऽ	है ऽ	द रे	ऽ ऽ	क ऽ

सां ऽ	ऽ ऽ	नी ऽ	प म्	ग ऽ
रा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	र ऽ

[इति तिलंग राग समाप्त]

खंबावती – त्रिताल.

कैसेके आऊं पिया तोरे पास, दुरजन लोग करेंगे हास.
एक डर हैं मोहे सास ननंद को, दूजे सोतन के बास.

|: (म्) रे म् प ध	(ध) पध सांनी ध प	ध प ध म्	(प) ग ऽ म् सा :|	प ध सां रें	सांरें सांनी ध प
कै ऽ से के	आऽ ऽ ऊं ऽ	पि या तो रे	पा ऽ ऽ स	दु र ज न	लोऽ ऽ ग क
३	=	२	०	३	=

		अ×			नी
ध म् प ध	म् ग म् सा	म् म् प नी	सां ऽनी सां सां	पध सांरें गं सां	सां सां नी ध
रें ऽ गे ऽ	हा ऽ ऽ स	ए क ड र	है ऽ मो हे	साऽ ऽ स न	नं द् को ऽ
२	०	३	=	२	०

नी नी नी			प प	म् *
ध ध धनी प ‖	पध सांनी ध प	धनी धप ध म्	ग ग म् सा	रे म् प ध ‖
दू ऽ जेऽ ऽ ‖	सोऽ ऽ त न	केऽ ऽ ऽ ऽ	बा ऽ ऽ स	कै ऽ से के ‖
३	=	२	०	३

खंबावती – चौताल.

आदि मध्य अंत जोगादि जोगी शिव,
भांग अफीन रीझे मलंगी शीव. ॥ आदि ॥
नाद के कमलसों तीन मूरत भई,
भिन्न जाने सोहि नरक भोगी शिव. ॥ आदि ॥

म्		म्									नी
म् ग	ऽ ग	म् सा	ऽ सा	ऽ ग	म् म् ‖	प ध	नी ऽ	सां सां	ऽ सां	प ऽ	ध सां
मध्य	ऽ अं	ऽ त	ऽ जो	ऽ गा	ऽ दि ‖	जो ऽ	गी ऽ	ऽ शि	ऽ व	भां ऽ	ग ऽ
=	०	२	०	३	४	=	०	२	०	३	४

	मं			नी						*	
रें गं	गं म्	सां सां	नी ध	ध ऽ	ध ऽ ‖	सां ऽ	नी ध	ऽ प	ऽ म्	ऽ ध	ऽ प
अ ऽ	फी ऽ	ऽ न	री ऽ	झे ऽ	म ऽ ‖	लं ऽ	ऽ गी	ऽ शि	ऽ व	ऽ आ	ऽ दि

म्		म्				×					
म् ग	ऽ ग	म् सा	ऽ सा	ऽ ग	म् म् ‖	म् ऽ	म् प	नी नी	नी सां	सां ऽ	सां ऽ
मध्य	ऽ अं	ऽ त	ऽ जो	ऽ गा	ऽ दि ‖	ना ऽ	द के	ऽ क	म ऽ	ल ऽ	सों ऽ

				मं						नी	नी
प ऽ	ध सां	ऽ रें	गं ऽ	गं मं	सां सां ‖	ध पध	सां नी	ध प	म् म्	ऽ ध	ध प
ती ऽ	न मू	ऽ र	त ऽ	भ ऽ	ऽ ई ‖	भि ऽ	न्न ऽ	जा ऽ	ने सो	ऽ हि	न र

	म्	म्		*	
म् म्	ऽ ग	ऽ ग	म् सा	ऽ ध	ऽ प ‖
क भो	ऽ गि	ऽ शि	ऽ व	ऽ आ	ऽ दि ‖

[इति खंबावती राग समाप्त]

रागेश्री – त्रिताल

पनघटवा नित मत रोके शाम, बडी बेर भई अब जाने दे धाम.

पनिया भरन मैं निकसी कबकी, कमल वदन हरि पूरन काम.

|: रे सा नी् ध़ || सा ऽ रे सा | म् ध नी् ध | म् ग रे सा :| नी सा ग म् | ध ग म् ध |
पनघट || वा ऽ नि त | म त रो ऽ | के शा ऽ म | ब डी ऽ बे | ऽ र भ ई |
३ = २ ० ३ =

अ·×
नी् ध म् ध | म् ग रे सा | म् ग म् ध || म् ध नी सां | सां गं गं मं | गं गं रें सां |
अ ब जा ने | दे धा ऽ म | प नि या भ || र न मैं ऽ | नि क सी ऽ | क ब की ऽ |
२ ० ३ = २ ०

✱
गं रें सां रें || सां नी् ध सां | नी् ध म् ध | म् ग रे सा | रे सा नी् ध़ ||
क म ल व || द न ह रि | पू ऽ र न | का ऽ ऽ म | प न घ ट ||
३ = २ ० ३

रागेश्री – झपताल.

प्रथम सुर साधे, रटे नाम जो लो रहे माहि घटमें प्रगट प्रान.

सप्त सुर तीन ग्राम गुणिजन बखानी,

आवन गवन की विद्या कठिन भेद पावे गुरुनसे वे आन.

सा ऽ | ग ऽ रे | सा ऽ | नी् ध़ ध़ || म् ऽ | नी् ध़ नी् | सा ऽ | ग म् म्
सा ऽ | धे ऽ र | टे ऽ | ना ऽ म || जो ऽ | लो ऽ र | हे ऽ | मा ऽ हि
= २ ० ३ = २ ० ३

✱
ग म् | ध नी् रें | सांनी सां | ध म् म् || ऽ ऽ | ऽ ऽ, रे | नी सा | नी् ध़ नी्
घ ट | में ऽ प्र | गऽ ट | प्रा ऽ न || ऽ ऽ | ऽ ऽ, प्र | थ म | सु ऽ र

×
म् म् | ध नी् सां | ऽ सां | सां ऽ सां || सां गं | रें सां रें | नी सां | नी् ध ऽ
स प्त | सु र ती | ऽ न | ग्रा ऽ मं || गु नि | ज न ब | खा ऽ | नी ऽ ऽ

नी़ ध | ग मॖ मॖ | ग रे | नी़ सा ऽ || सा ऽ | नी़ ध़ नी़ | सा सा | ग मॖ ध
आ व | न ऽ ग | व न | की ऽ ऽ || वि ऽ | द्या ऽ क | ठि न | भे ऽ द

मॖ ध | नी सां गं | सां सां | ध नी ध || मॖ ऽ | ग ऽ, रे* | नी़ सा | नी़ ध़ नी़
पा ऽ | बे ऽ गु | रु न | से ऽ वे || आ ऽ | न ऽ, प्र | थ म | सु ऽ र

रागेश्री – एकताल.

आज सखी श्याम सुंदर बंसिया बजाय,
मोर मुगुट सिर चढाय, पगमें नूपुर सुहाय,
बंसि मूखमें लगाय, मधुर मधुर गाय.

(नी़ above ध़ नी़)
मॖ गमॖ | ग रे | सा नी़सा | ध़ नी़ | सा ग | मॖ मॖ || मॖ ग | मॖ ध | नी ध | सांनी धमॖ | गमॖ गरे | सानि़ सा
आ ऽ | ज स | खी ऽ | श्या ऽ | म सुं | द र || बं ऽ | सि या | ऽ ब | जाऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ य
= ० २ ० ३ ४ = ० २ ० ३ ४

अ×
(नी above सां रें)
मॖ ग | मॖ ध | नि सां | सां सां | सां सां | ऽ सां || सां गं | मॖं गं | रें सां | सां रें | सां नी | ध मॖ
मो ऽ | र मु | गु ट | सि र | च ढा | ऽ य || प ग | में ऽ | नू ऽ | पु र | सु हा | ऽ य

(सां above नि सां)
मॖ ग | मॖ ध | नी सां | नीसां रें | सां नी | ध मॖ || नि सां | नी ध़ | मॖ ध | मॖध गमॖ | गरे सानी़ | ध़नी़ सा
बं ऽ | सि मू | ऽ ख | मेंऽ ऽ | ल गा | ऽ य || म धु | र म | धु र | गाऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ य

[इति रागेश्री राग समाप्त]

सोरठ – त्रिताल.

(मॖ above रे; रे above सा रे नी़ सा)
रे ऽ मॖ प । नी ऽ सां ऽ । नी ध प ध । मॖ ऽ रे ऽ ॥ प मॖ रे ऽ । सा रे नी़ सा ।
= २ ० ३ = २

(मॖ above रे; सा above सा ऽ नी़ सा)
रे ऽ मॖ ऽ । प ऽ ध मॖ ॥ नी ध प मॖ । रे ऽ ऽ ऽ । प मॖ रे ऽ । सा ऽ नी़ सा ॥
० ३ = २ ० ३

× सां
म् रे म् प। नी नी सां ऽ। सां नी सां सां। रें ऽ रें ऽ ॥ नी नी सां ऽ। नी़ ध प ऽ।
= २ ० ३ = २

म् प नी सां। रें मं रें सां ॥ रें रें सां नी। रें नी़ ध प। म् प ध प। म् रे सा ऽ ॥
० ३ = २ ० ३

सोरठ – त्रिताल.

प्रभु तेरी महिमा किस बिध गावुं,
कैसो सब जग खेल रचायो, देख देख विसमावुं.-प्रभु
तुम जगत नाथ, मैं हूं अनाथ, बार बार शिरनावुं,
निसदिन तेरो नाम सुमर कर, सब भव बंध मिटावुं.-प्रभु

म् रे म् प	सां नी़ ध म्	रे ग सा रे	म् ऽ म् रे	ऽ ऽ ऽ ऽ	रे(म्) ऽ रे(म्) ऽ
प्र भु ते री	म हि मा ऽ	कि स बि ध	गा ऽ वुं ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	कै ऽ सो ऽ
२	०	३	=	२	०
प प ध म्	रे ऽ ग् रे	सा रे नी सा	रे(म्) ऽ म् म्	प प नी नी	सां ऽ नी़ धप
स ब ज ग	खे ऽ ल र	चा ऽ यो ऽ	दे ऽ ख दे	ऽ ख वि स	मा ऽ ऽ वुंऽ
३	=	२	०	३	=
* म् रे म् प	सां नी़ ध म्	रे ग सा रे	म् ऽ म् रे	ऽ ऽ ऽ ऽ	× म् म् म् प
प्र भु ते री	म हि मा ऽ	कि स बि ध	गा ऽ वुं ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	तु म ज ग
२	०	३	=	२	०
नी सां ऽ सां	नी ऽ सां ऽ	नी सां रें रें	रें गं रें सां	रें नी सां सां	म् प नी सां
त ना ऽ थ	मैं ऽ हूं ऽ	अ ना ऽ थ	तु म ज ग	त ना ऽ थ	मैं ऽ हुं ऽ
३	=	२	०	३	=

नी सां रें रें	नी ऽ नी नी	सां नी सां सां	नसिां रें नी सां	नी॒ ध प ऽ	सां सां ध नी॒
अ ना ऽ थ	बा ऽ र बा	ऽ र शि र	नाऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वुं ऽ	नि स दि न,
२	०	३	=	२	०

			म्		
प ध म् पम्	रे ऽ ग् रे	सा रे नी॒ सा	रे रे म् म्	प ऽ नी नी	सां नसिारें नी॒ ध प
ते ऽ रो ऽ	ना ऽ म सु	म र क़ र	स ब भ व	बं ऽ ध मि	टा ऽ वुं ऽ
३	=	२	०	३	=

सोरठ – झपताल.

तेरोहि ध्यान धर ज्ञान करतार तूं है जोत जगतमें भानु उदय भयो.

तूहि है पवन पानी, बानी कर शुद्ध तूं दानी दातार, तूं रंकनको मान दियो.

नी ऽ	नी सां सां	सां ऽ	सां सां रें	नी॒ ध	नी॒ ध प	प ऽ	ध म् म्
ध्या ऽ	न ध र	ज्ञा ऽ	न क र	ता ऽ	र तूं ऽ	है ऽ	जो ऽ त
=	२	०	३	=	२	०	३

		सा				*	म्
म् रे	रे रे सा	नी॒ सा	सा रे म्	प ऽ	ध म् रे	म् रे	रे म् प
ज ग	त में ऽ	भा ऽ	नु उ द	य ऽ	भ यो ऽ	ते ऽ	रो ऽ हि

×

म् रे	म् प ऽ	नी नी	नी सां ऽ	सां ऽ	सां ऽ सां	रें सां	नी॒ ध नी॒
तूं ऽ	हि है ऽ	प व	न पा ऽ	नी ऽ	बा ऽ नी	क र	शु ऽ द्ध

		सां					
ध प	म् प नी	नी सां	मं रें पं	मं रें	सां ऽ रें	नी॒ ध	प म् रे
तू ऽ	दा ऽ नी	दा ऽ	ता ऽ र	तूं ऽ	रं ऽ क	न को	ऽ मा ऽ

		*	म्
प ऽ	ध म् रे	म् रे	रे म् प
न ऽ	दि यो ऽ	ते ऽ	रो ऽ हि

सोरठ – चौताल

उलहन लागेरीं पुरहा ठौर ठौर धरनी पर
पावस आवत पिया कांहां लुभाये.
बालमा विदेस गये, जोबना उसास लेत,
पिया बिना मोहे घरी पल न सुहाये.

म॒	म॒		ग				प	म॒		म॒	
रे ऽ	रे ग	सा ऽ	म॒ रे	म॒ ऽ	प ऽ ‖	प ऽ	ध म॒	रे ऽ	प म॒	रे ग	सा सा
ला ऽ	गे ऽ	री ऽ	पु र	हा ऽ	ठौ ऽ ‖	र ऽ	ठौ ऽ	र ऽ	ध र	नी ऽ	प र
=	०	२	०	३	४	=	०	२	०	३	४

म॒					सां	मं मं				*	प प
रे ऽ	म॒ प	नी ऽ	सां ऽ	सां ऽ	नी सां ‖	रें रें	ऽ सां	सां नी॒	ध प	सां नी॒	ध म॒
पा ऽ	व स	आ ऽ	व ऽ	त ऽ	पि या ‖	कां हां	ऽ लु	भा ऽ	ये ऽ	उ ल	ह न

अ×

म॒ ऽ	प नी	ऽ नी	सां ऽ	नी सां	सां ऽ ‖	नी ऽ	सां रें	रेंगं रेंसां	सां ऽ	सां नी॒	ध प
बा ऽ	ल मा	ऽ वि	दे ऽ	स ग	ये ऽ ‖	जो ऽ	ब ना	ऽ ऽउ	सा ऽ	स ले	ऽ त

				सां						* सां	प प
म॒ म॒	ऽ प	नी सां	सां ऽ	नी सां	सां ऽ ‖	रें मं	रें सां	सां नी॒	ध प	सां नी॒	ध म॒
पि या	ऽ बि	ना ऽ	मो ऽ	हे घ	री ऽ ‖	प ल	न सु	हा ऽ	ये ऽ	उ ल	ह न

[इति सोरठ राग समाप्त]

देस – चौताल

म॒
। ऽ सा । ऽ रे । म॒ प
० ३ ४

नी॒ नी॒ नी॒ सां
ध ऽ । ध ध । नी॒ नी॒ । ध ध । प प । म॒ प ‖ ग ऽ । म॒ ऽ । ध प । म॒ ग । रे ऽ । ध प
= ० २ ० ३ ४ = ० २ ० ३ ४

म॒
म॒ ग । रे ऽ । प म॒ । ग रे । ऽ सा । ऽ सा ‖ सा सा । रे रे । म॒ म॒ । प प । ध प । म॒ ग

रे ऽ । नी॒ ध । प म॒ । ग रे । ऽ सां । ऽ नी॒ ‖ ध प । म॒ ग । रे ऽ । रें ऽ । सां नी॒ । ध प

* म् ×
म् ग। रे ऽ। ऽ सा,। ऽ सा। ऽ रे। म् प॥ म् ऽ। म् ऽ। प ऽ। प ऽ। नी नी। सां ऽ

ध ऽ। नि सां। ऽ ध। ऽ नी। सां ऽ। मं् गं॥ रें ऽ। मं् गं। रें ऽ। पं मं्। गं रें। ऽ सां

* म्
ऽ सां। रें रें। सां नी्। ध प। म् ग। रे ऽ॥ ध प। म् ग। रे सा। ऽ सा। ऽ रे। म् प

(संचारी)

नी्	नी्	नी्	नी्								
सा नी्	ध ध	ध ध	ध ऽ	नी् ऽ	सां नी् ‖	सां नी्	ध ध	नी् प	प ऽ	प ऽ	नी् प
स ऽ	त्प सु	र न	सों ऽ	सं ऽ	पू ऽ ‖	र न	ऽ जा	ऽ त	या ऽ	दे ऽ	स के
नी् प	ध प	ध प	म् ऽ	ऽ ग	रे ऽ ‖	रे ग	म् प	ध नी	सां ऽ	ध नी्	सां रेंसां
य ह	धु र	प द	के ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ‖	उ ल	ट प	ल ट	आ ऽ	दि त	म नऽ
रेंनी् नी्	सां नी्	नी् ध	सां नी्	नी् ध	नी् प ‖	नी् प	ध प	नी् प	धप ध	म्ग म्ग	रे रे
रंऽ ग	बे ऽ	कों ऽ	बि ध	बि ध	सों ऽ ‖	सु ऽ	च्छ म	क र	केऽ ऽ	बुऽ लाऽ	ऽ य

रे ग। म् प। ध नी्। सां नी्। ध प। म् ग॥ रे ऽ। ग म्। प ध। म् प। ध प। म् ग

रे ऽ। नी् ध। प म्। ग रे। ऽ सां। ऽ नी्॥ ध प। म् ग। रे ऽ। रें ऽ। स नी्। ध प

* म्
म् ग। रे ऽ। ऽ सा,। ऽ सा। ऽ रे। म् प॥

देस त्रिताल

मन क्यौं तुं करे अपना अपना, दुनिया है दो दिन का सपना,

प्राण पुरुष जब निकसके भागो, मुख पर देवत झपना,

समझ मूढ जग सार यही है, राम नाम नित जपना.

ऽ ऽ |: ग सा | रेग़ सारे म़ म़ | प ऽ प प ‖ नी ऽ नी नी | सां ऽ सां रें | नीं ध प ध |
ऽ ऽ म न | क्यौंऽ ऽ तु क | रे ऽ अ प ‖ ना ऽ अ प | ना ऽ दु नि | यां ऽ है ऽ |
२ ० ३ = २ ०

म़ ऽ प प ‖ म़प धनीं धप म़ग | रे ऽ :| नीं नीं | धसां नीं ध प पध | म़ ऽ प प ‖ ध प म़ ग |
दो ऽ दि न ‖ काऽ ऽ सऽ पऽ | ना ऽ दु नि | यांऽ ऽ है ऽ | दो ऽ दि न ‖ का ऽ स प |
३ = २ ० ३ =

×

* म़
रे ऽ ग सा | रे ऽ म़ म़ | प ऽ प प ‖ नी ऽ नी नी | सां ऽ ऽ ऽ | म़ ऽ प प |
ना ऽ म न | क्यौंऽ ऽ तुं क | रे ऽ अ प ‖ ना ऽ अ प | ना ऽ ऽ ऽ | प्रा ऽ ण पु |
२ ० ३ = २ ०

नीनी सां सां ‖ सां सां सां रें | नीसां नीसां रें ऽ | ऽ रेंग़ रें सां | रें नी सां सां ‖ ऽ नींनीं ध म़ |
रू ष ज ब ‖ नि क स के | भाऽ ऽ गो ऽ | ऽ प्राऽ ण पु | रू ष ज ब ‖ ऽ निक स के |
३ = २ ० ३ =

म़
म़प नीसां रें ऽ | ऽ नीनी नी नी | सां ऽ सां सां ‖ नीसां रें सां रें | नीं ध प ऽ | रे रे म़ म़ |
भाऽ ऽ गो ऽ | ऽ मुख प र | दे ऽ व त ‖ झऽ प ना ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | स म झ मू |
२ ० ३ = २ ०

ऽ प प प ‖ नीं ऽ नी नी | पनी सारें रेंसां सांनीं | नींध धप प पध | म़ म़ प प ‖ ध प म़ ग |
ऽ ढ ज ग ‖ सा ऽ र य | हीऽ ऽ हैऽ ऽ | राऽ ऽ म नाऽ | ऽ म नि त ‖ ज प ना ऽ |
३ = २ ० ३ =

*
रे ऽ ग सा | रेग़ सारे म़ म़ | प ऽ प प ‖
ऽ ऽ म न | क्यौंऽ ऽ तुं क | रे ऽ अ प ‖
२ ० ३

देस – झपताल

दई पिया बिन कैसी रतियां बैरन भई, अब तो नयनहूं से नींद गई.

इतना संदेसा मोरा कहियो बलम सों, विरह व्यथा मोंपे विपत नई.

ग ग
नी सां ऽ ‖ रें नीं | ध ग म़ | प ध | म़ गरे ऽ ‖ नी सा | रे ग म़ | ग रे | नी सा ऽ
द ई ऽ ‖ पि या | बि ऽ न | कै ऽ | सी ऽ ऽ ‖ र ति | यां ऽ बै | र न | भ ई ऽ
३ = २ ० ३ = २ ० ३

म् सां *

नि सा | रे म् रे | म् प | नी सां सां || नी रें | सां ऽ नी | ध प | प सां ऽ

अ ब | तो ऽ न | य न | हूं ऽ से || नीं ऽ | द ऽ ग | ई ऽ | द ई ऽ

अ× सां रें

म् प | नी ऽ नी | सां नी | सां ऽ सां || नी सां | सां ऽ रें | नी सां | नी ध प

इ त | ना ऽ सं | दे सा | मो ऽ रा || क हि | यो ऽ ब | ल म | सों ऽ ऽ

सां *

रें रें | रें ऽ मं | गरें गं | नी सां सां || नी सां | रें सां नि | ध प | प सां ऽ

वि र | ह ऽ व्य | थाऽ ऽ | मों ऽ पे || बि प | त ऽ न | ई ऽ | द ई ऽ

देस (सावन) – चौताल

ए सखी सावन आयो बिरहा अगम मोपे कल ना परत प्रान प्यारे बिन.

चहुं ओर ते बादर उमंड घुमंड आये, छतियां उमगी कान्ह कारे बिन.

म् म् म् म्

सा म् | रे म् | प प || सां नी | ऽ ध | प म् | प ध | म् ग | रे ऽ || रे रे | रे प | ऽ म्

ए ऽ | ऽ स | ऽ खी || सा ऽ | ऽ व | ऽ न | आ ऽ | यो ऽ | ऽ ऽ || बि र | हा ऽ | ऽ अ

० ३ ४ = ० २ ० ३ ४ = ० २

सां

रे ग् | रे रे | नीसा सा || म् ऽ | रे म् | प नी | नी नी | सां सां | नीरें सां || रें नी | धप प | ध म्

ग ऽ | म मो | ऽ पे || क ऽ | ल ना | ऽ प | र त | ऽ प्रा | ऽ न || प्या ऽ | रेऽ बि | ऽ न

* म् ×

सा म् | रे म् | प प || म् प | ऽ नी | सां सां | सां ऽ | सां ऽ | सां सां || रें रें | गं रें | सां रें

ए ऽ | ऽ सं | ऽ खी || च हुं | ऽ ओ | ऽ र | ते ऽ | बा ऽ | द र || उ मं | ऽ ड | ऽ घु

सां सां सां

सां रें | नी ध | प ऽ || ध ध | रें रें | गं रें | सां रें | नी नी | सां सां || नीसां रेंसां | नीध प | ध म्

मं ड | आ ऽ | ये ऽ || छ ति | ऽ यां | ऽ उ | मंगी | ऽ का | ऽ न्ह || काऽ ऽ | रेऽ ऽ | बि न

देस – धमार.

ए अति धूम मचाई कन्हैयाने सब सखियन के संग.

अबीर गुलाल और केसर रंग संग है, कुमकुमा परत है रंगके संग.

									म्		
ग सारे	म् प	‖ नी ऽ ऽ	सां ऽ	सां सां	रें ऽ नी़	ध नी़	प ऽ ‖	रे म् प	नी़ ध	प ऽ	
ए ऽ	अ ति	‖ धू ऽ ऽ	ऽ ऽ	म म	चा ऽ ऽ	ई ऽ	ऽ ऽ ‖	क न्है ऽ	ऽ ऽ	या ऽ	
३	०	=	०	२	०	३	०	=	०	२	

				प			*		
म् ग रे	नी़ प	ध म् ‖	प ऽ प	म् प	म् ऽ	रे ऽ सा	ग सारे	म् प ‖	
ने ऽ ऽ	स ब	सखि ‖	य ऽ न	के ऽ	सं ऽ	ऽ ऽ ग	ए ऽ	अ ति ‖	
०	३	०	=	०	२	०	३	०	

×

म् प ऽ	नी ऽ	नी ऽ	सां ऽ सां	सां ऽ	सां ऽ ‖	नी़ ऽ प	म् प	नी नी
अ बी ऽ	र ऽ	गु ऽ	ला ऽ ल	औ ऽ	र ऽ ‖	के ऽ ऽ	स र	रं ग
=	०	२	०	३	०	=	०	२

नी सां ऽ	रें ऽ	ऽ ऽ ‖	नी नी ऽ	सां ऽ	सां ऽ	रें सां ऽ	नी़ ऽ	ध प ‖
सं ग ऽ	है ऽ	ऽ ऽ ‖	कु म ऽ	कु ऽ	भा ऽ	प र ऽ	त ऽ	है ऽ ‖
०	३	०	=	०	२	०	३	०

				*	
ग सारे म्	प ऽ	नी़ ऽ	रे ऽ सा	ग सारे	म् प ‖
रं ऽ ग	के ऽ	सं ऽ	ऽ ऽ ग	ए ऽ	अ ति ‖
=	०	२	०	३	०

तराणा – देस – त्रिताल (द्रुत लय)

तन उदन दीम तोम तना तदारे दानि, उदानि दानि तदानि तदारे तद्रेदानि,

दिर दिर तोम, दिर दिर तोम, दिर दिर तोम तनन. ॥ उदन ॥

नाद्रे द्रे दानि तुं द्रे द्रे, द्रे दानि तन तुंद्र, तिरकिट धित्ता तिरकिट धा,

धित्ता तरकिट तुन्ना तरकिट, तग्गडान ता धा,

तग्गडान ता धा, तग्गडान ता धा, तदरे दानि. ॥ उदन ॥ 212305

मृ
ऽ ऽ सा सा | रे मृ मृ प | ऽ नी ऽ नी | सां ऽ ऽ रें | सां नृी ध प | मृ प मृ नृी
ऽ ऽ त न | उ द न दी | ऽ म्तो ऽ म्त | ना ऽ ऽ त | दा रे दा नि | उ दा नि दा |
२ • ३ = २ •

ध ध प मृ || ग रे ऽ प | मृ ग रे सा | नृीनृी नृीनृी ध नृी | धध धध प ध | पप पप मृ प
नि त दा नि || त दा ऽ रे | त द्रे दा नि | दिर दिर तोऽम | दिरदिरतोऽम | दिरदिरतोऽ |
३ = २ • ३ =

मृ * ×
ऽ मृ ग रे | रे मृ मृ प | ऽ नी ऽ नी || मृ प नी नीं | नी नी नी नी | नी सां ऽ सां
ऽ म्त न न | उ द न दी | ऽ म्तो ऽ म्त || नाद्रे द्रे दा | नि तुं द्रे द्रे | द्रे दा ऽ नि |
२ ० ३ = २ •

सां सां
सांनीसांसां || नीनी सांसां रें मृं | गंगं रेंरें सां ऽ | नी सां नीनी रेंरें | सां नृी धध पप ||
त न तुं द्रे || तिर किट धि न्ना | तिर किट धा ऽ | धि त्ता तर किट | तु न्ना तर किट ||
३ = २ ० ३

पप रें ऽ रें | रें ऽ, पप नृी | ऽ नृी नृी ऽ, | मृमृ प ऽ प || सां नृी ध प | मृ ग रे सा
तग्गडाऽन्ता | धा ऽतग्ग डा | ऽ न्ता धा ऽ | तग्ग डा ऽ न्ता || धा ऽ ऽ त | द रे दा नि |
= २ ० ३ = २

मृ *
रे मृ मृ प | ऽ नी ऽ नी || सां
उ द न दी | ऽ म्तो ऽ म्त || ना
० ३ =

[इति देश राग समाप्त]

तिलक कामोद – एकताल

पृ नृी । सा ऽ । रे ग । सा ऽ । रे ग । रे प ॥ मृ ग । सा नृी । पृ नृी । ऽ सा । ऽ रे । रेग सा
= ० २ ० ३ ४ = ० २ ० ३ ४

रे मृ । प ध । मृ ग । सा रे । प मृ । ग ऽ ॥ (सा) ऽ । नृी ऽ । पृ ऽ । नृी सा । रे सारेग । सा नृी

अ×
रेमृ पध । मृप सां । पनी सां । पनी सांरें । गंसां ऽरें । पंमृं गं ॥ नीसां पनी । सारें नीसां । पध मृ ।
ग रे । ग सा । नृी सा ॥ रेमृ पध । मृप सां । प नी । सां ऽ । पध मृग । रेग नृीसा ॥ पनृी सारे
नीसा रेमृ । पनी सां । पध मृग । सारे ग । सा नृी ॥

तिलक कामोद – दादरा

अब तो लाज तुमरे हाथ, राखो शरम सैयां,
उमर सारी खेल खोई, अवगुण की बेल बोई,
तेरे सिवा कोई नहीं धीर को धरैया. ॥१॥
मात पिता सुत बंधु नार, सब है जगके झूठ पसार,
तुम बिन हैं कवन मेरो, बिपत के हरैया. ॥२॥

सा   म॒
।: नी़ नी़ प़ | नी़ ऽ सा || रे म॒ ग | सारे ग सा :|| रे ऽ रे | म॒ प प ||
अ ब तो | ला ऽ ज || तु म रे | हाऽ ऽ थ || रा ऽ खो | श र म ||
= ० = ० = ०

सा
पनी सांरें सांनी़ | धप म॒ ऽ || गरे ग सा | नी़ ऽ सा || रे म॒ ग | सारे ग सा ||
सैऽ ऽ ऽ | यांऽ ऽ ऽ || अऽ ब तो | ला ऽ ज || तु म रे | हाऽ ऽ थ ||

×   सां
म॒ ऽ म॒ | प नी नी || सां ऽ सां | सां नी सां | नी ऽ नी | नी सां ऽ ||
उ ऽ म्र | सा ऽ री || खे ऽ ल | खो ऽ ई | अव ऽ गु | ण की ऽ ||

प
नसां रें नी | ध ऽ प || रें ऽ रें | रें रें ऽ || नी सां नी | सां सां ऽ ||
बेऽ ऽ ल | बो ऽ ई || ते ऽ रे | सि वा ऽ || को ऽ ई | न हीं ऽ ||

प   *
सां रें नी | ध ऽ प || रेंग म॒प ध | म॒ ऽ ऽ || गरे ग सा | नी़ ऽ सा ||
धी ऽ र | को ऽ ध || रैऽ ऽ ऽ | यां ऽ ऽ || अऽ ब तो | ला ऽ ज ||

तिलक कामोद – त्रिताल

कली मोरे गुलकी खिलाई जब रबने; चमनसे गई मोरे बहार आई
बादे खिजां शाह सुनो रे, गयो गुल मुरझाय. ॥ कली ॥
ना जानूं कैसो हाल मोरे गुलरूका होवे, खारी हवा समन्दरकी जियरवा
मारे वाका शाहे शहा उसे पाले, आप माने अहेसां मेरो मन. ॥ कली ॥

सा   म॒
नी़ प़ नी़ सा | ग रे प म॒ | ग सा सारेग रे || ग सा नी़ ऽ | रे रे म॒ म॒ | प नी नी नी
क ली मो रे | गु ल कि खि | ला ई जऽऽ ब || र ब ने ऽ | च म न से | ग ई भो रे
२ ० ३ = २ ०

                                                                        प
नी सां ऽ रें || सां नी़ ध प | म॒ गरे नी़ ऽध | प म॒ ग रे | रे नी़ ध नी़ || ध पध म॒ गरे
ब हा ऽ र || आ ई बा दे | खि जांऽ शा ऽ | हा सु नो रे | ग यो गु ल || मु रऽ झा यऽ
३ = २ ० ३ =

नी़ * ग ग रे × म॒
सा रे नी़ सा | रे ग रे प | म॒ गरे सा रे || म॒ ग (सा) नी़ | ऽ ऽ ऽ ऽ | रे ऽ म॒ ऽ
क ली मो रे | गु ल की खि | ला ईऽ ज ब || र ब ने ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ना ऽ जा ऽ
२ ० ३ = २ ०

                                                                        ग
प ऽ नी ऽ | नी सां ऽ रें | सां नी़ ध प | म॒ ग रे रे | नी़ ऽध प म॒ || ग म॒ रे प
नूं ऽ कै ऽ | सो हा ऽ ल | भो रे गु ल | रू का हो वे | खा ऽ री ह || वा स म न्दर
३ = २ ० ३ =

म॒ ग रे सा म॒ रें
ग म॒ रे ग | सा रे नी़ सा | रे ऽ म॒ प || नी ऽ नी सां | रें गं रें सां | रें नी सां सां
की जि य वीं | मा र वा का | शा ऽ हे श || हा ऽ उ से | पा ऽ ले आ | ऽ प मा ने
२ ० ३ = २ ०

* रे
नी़ प सां ऽ || प नी़ध प म॒ | ग रे नी़ सा | ग रे प म॒ | ग सा सारेग रे ||
अ हे सां ऽ || मे रोऽ म न | क ली मो रे | गु ल कि खि | ला ई जऽऽ ब ||
३ = २ ० ३

तिलक कामोद – झपताल

हर बिना यक लंबोदर चतुर गोपिजन गाय बजाय बिरजमें.
ऐसोरी गावे तान सुनावे नंद छैल गीत छंद धौरू धुरपद
नीके गाय सुनाय गुनीजनमें.

प़ ग नी़ ग
प़ नी़ सा || रे ग | सा ऽ सा | सा ग | रे ऽ म॒ || गरे ग | सा सा रे | म॒ प |
ह र बि || ना ऽ | य ऽ क | लं ऽ | बो ऽ द || रऽ ऽ | च तु र | गो पि |
३ = २ ० ३ = २ ०

ध
प ध म॒ ‖ ग ऽ | सा ऽ नी़ | प़ नी़ | सा ऽ म॒ ‖ ग रे | ग ऽ सा | नी़ ऽ |
ज ऽ न ‖ गा ऽ | य ऽ ब | जा ऽ | य ऽ बि ‖ जी ऽ | ऽ ऽ ऽ | में ऽ |

* ×   गं गं
प़ नी़ सा ‖ म॒ प | नी सां सां | सां ऽ | सां ऽ ऽ ‖ रें ऽ | रें ऽ मं॒ | गं रें |
ह र बि ‖ ऐ ऽ | सो ऽ री | गा ऽ | वे ऽ ऽ ‖ ता ऽ | न ऽ सु | ना ऽ |

गं सां ऽ ‖ प ऽ | सां ऽ प | ध म॒ | रे प ऽ ‖ ध म॒ | ऽ प सां | गं रें |
ऽ वे ऽ ‖ नं ऽ | द ऽ छै | ऽ ल | ऽ गी ऽ ‖ त छं | ऽ द धौ | ऽ रू |

पं मं॒ गं ‖ सां सां | प ऽ सां | प ध | म॒ ग रे ‖ प म॒ | गरे ग सा | प ऽ |
ऽ धु र ‖ प द | नी ऽ के | गा ऽ | य ऽ ऽ ‖ सु ना | ऽ ऽ य | गु ऽ |

सा *प़
म॒ ग रे ‖ ग रे | म॒ ग ऽ | सा नी़ | प़ नी़ सा ‖
नी ऽ ऽ ‖ ज ऽ | ऽ न ऽ | मे ऽ | ह र बि ‖

तिलक कामोद – चौताल.

हर हर हर करत फिरत, निडर गोपीजन संग
मदमाती जोबन की नार, अठलात कुञ्जन जात.
घर घर घर झगरा करावत, ना माने काहू की बात,
श्याम सुन्दर उकलात कुञ्जन जात.

रे   ग ग रे ग
म॒ ग | ग सा | सा नी़ ‖ नी़ प़ | नी़ सा | रे रे | ग सा | रे म॒ | प ऽ ‖ ध म॒ | ग रे | प म॒ |
ह र | ह र | ह र ‖ क र | त फि | र त | नि ड | र गो | पी ऽ ‖ ज न | सं ऽ | ग म |
० ३ ४ = ० २ ० ३ ४ = ० २

प   ग ग
ग सा | रे ग | सा नी़ ‖ नी़ ऽ | सा नी़ | प़ प़ | नी़ सा | रे ग | रे रे ‖ प ऽ | म॒ ग | सा सा |
द मा | ऽ ती | जो ब ‖ न ऽ | की ना | ऽ र | अ ठ | ला ऽ | त कु ‖ ज्ज ऽ | न जा | ऽ त |

× ध सां

* मृ ग | ग सा | सा नी || मृ प | नी नी | सां सां | सां सां | गं रें | पं मृं || गं सां | सां सां | सां प |

ह र | ह र | ह र || ध र | ध र | ध र | झ ग | रा ऽ | ऽ क || रा ऽ | व त | ना ऽ |

ग

प ऽ | प ध | मृ ऽ || ग रे | प मृ | ग ऽ | सा सा | प ऽ | नी सा || रे मृ | प सां | गं रें |

मा ऽ | ने ऽ | का ऽ || हू ऽ | की ऽ | बा ऽ | ऽ त | श्या ऽ | म सु || न्द र | उ क | ऽ ऽ |

मृं गं | सां सां | प ध || मृ ऽ | ग ग | सा सा |

ऽ ला | ऽ त | कु ऽ || ज्ञ ऽ | न जा | ऽ त |

तिलक कामोद – धमार

आयो फागुन मास सखीरी मोहन संग खेलत होरी.

अबीर गुलाल की भर पिचकारी मुख भींजत है बरजोरी.

सा

सा ऽ ग | रे पमृ | ग ऽ | सा ऽ रे | प मृ | ग सा || नी ऽ ऽ | प नी | सा ऽ |

फा ऽ गु | न ऽ | मा ऽ | स ऽ स | खी ऽ | री ऽ || मो ऽ ऽ | ह न | सं ऽ |

= ० २ ० ३ ० = ० २

*

सा ऽ ऽ | सा ऽ | रे मृ || ग ऽ सा | ऽ रे | मृ ऽ | ग रेग सा | नी ऽ | प नि ||

ग ऽ ऽ | खे ऽ | ल त || हो ऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ | री ऽ ऽ | आ ऽ | यो ऽ ||

० ३ ० = ० २ ० ३ ०

बिहारी – दादरा

बंगरी मोरी मरोरी रे कान्हा, चुरियां मोरी फोरी रे कान्हा,
लपट झपट मोंसो करत है नटवर, चांद लाखों बरसों जीवे कान्हा.

ऽ ऽ प	नी नी ऽ	नी सा ऽ	रे ऽ प	मॖ ऽ ऽ	ग ऽ रे	सा रे सा	नी ऽ ऽ		
ऽ ऽ बं	ग री ऽ	मो ऽ ऽ	री ऽ म	रो ऽ ऽ	री ऽ रे	का ऽ ऽ	ना ऽ ऽ		
=	०	=	०	=	०	=	०		
ऽ मॖ मॖ	पध नी ऽ	धप मॖग रे	रे ऽ ऽ	रे ग रे	रे ग मॖ	ग मॖ ग	रे सा नी		
ऽ चु रि	यांऽ ऽ ऽ	मोऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ	फो ऽ ऽ	री ऽ ऽ	रे ऽ का	ऽ ऽ न्हा		
अ× मॖ			प	मॖ					
ऽ ऽ रे	मॖ मॖ मॖ	प प ऽ	ध मॖ प	ऽ ऽ रे	रे मॖ प	प मॖप धनी	धप मॖग रे		
ऽ ऽ ल	प ट झ	प ट ऽ	मों सो ऽ	ऽ ऽ क	र त है	न टऽ ऽ	वऽ रऽ ऽ		
ऽ ऽ प	नी ऽ नी	सा ऽ ऽ	रे प ऽ	मॖ ऽ ऽ	ग ऽ रे	सा रे सा	नी ऽ ऽ		
ऽ ऽ चां	द ऽ ला	खों ऽ ऽ	ब र ऽ	सों ऽ ऽ	जी ऽ वे	का ऽ ऽ	ना ऽ ऽ		

[इति बिहारी राग समाप्त]

जयजयवंती – एकताल

ग ग ग सा
रे ऽ । ऽ रे । रे प । मॖ ग । मॖ रे । गॖ सा ॥ नी सा । रे गॖ । रे नी । सा रे । ध ध । नी ध
= ० २ ० ३ ४ = ० २ ० ३ ४

ग ग
प ऽ । रे ऽ । रे ग । मॖ प । ऽ ध । नी ध ॥ मॖ प । ध ग । ऽ मॖ । रे गॖ । सा रे । नी सा

अ×
मॖ प । प सां । ऽ रें । नी नी । सां ध । नी प ॥ रें रें । गं गं । मॖं पं । गं मॖं । रें गॖं । रें सां

नी ध । नी सां । रें नी । ध नी । प ध । ग मॖ ॥ रे गॖ । सा रे । ग मॖ । रे गॖ । सा रे । नी सा

जयजयवंती – त्रिताल

अचपल धीट लंगर नाहि माने, रार सावरे तोकु न सोहे.

मोहन डगर चलत पनियारी, परनारी हरि काहेको रोके.

ऩी ग म् रे रे ग्

|: रे सा ध़ ऩी || रे ग् रे रे | ग ग म् प | म् गम् रेग् रे :| ऩी ऽ सा सा || रे ग् रे सा |

अ च प ल || धी ऽ ट लं | ग र न हिं | मा ऽ ऽ ने | रा ऽ र सा || ऽ व रे ऽ |

३ = २ ० ३ =

अ× सां

ऩी धप म् पध | म् गम् (ग्) रे |: म् प नी नी || सां सां सां सां | रें रेंग्ं रें सां |

तो ऽ कु नऽ | सो ऽ ऽ हे |: मो ऽ ह न || ड ग र च | ल तऽ प नि |

२ ० ३ = २

सां * ऩी

रें नी सां ऽ :| नी सां रें ऩी || ध ऽ म् प | ऩी ऽ ध म् | रे ग् रे ऽ | रे सा ध़ ऩी ||

या ऽ री ऽ :| प र ना ऽ || री ऽ ह रि | का ऽ हे को | रो ऽ के ऽ | अ च प ल ||

० ३ = २ ० ३

जयजयवंती – झपताल

कैसे करूं आज तेरो बिदाई, उमडे नयन मेरे आंसू निहारो.

तेरी मृदुल मूर्ति हिय में बसी है, कहते उसे प्राण प्यारे बिसारो.

सा

ऩी सा | रे ग म्ग | रे ग्रे | ऩी सा सा || म् रे | म् ऽ पध | ग म् | ग् रे ऽ

कै ऽ | से ऽ कऽ | रुं ऽ | आ ऽ ज || ते ऽ | रो ऽ बिऽ | दा ऽ | ई ऽ ऽ

= २ ० ३ = २ ० ३

सा म्

ऩी सा | रे म् रे | म् प | सां ध ऩी || ध प | ध ग म् | प ध | म् ग् रे

उ म | डे ऽ न | य न | मे ऽ रे || आं ऽ | सू ऽ नि | हा ऽ | रो ऽ ऽ

×	सां		सां						
म् प	नी सां नी	सां सां	नी सां सां	‖ नी सां	रें ग्ं रें	सां ऽ	रें ध नी्
ते ऽ	री ऽ मृ	दु ल	मू ऽ र्ति	‖ हि य	में ऽ ब	सी ऽ	है ऽ ऽ
ध प	प ऽ रे	म् ऽ	प नी् नी्	‖ ध प	ध ग म्	प ध	म् ग् रे
क ह	ते ऽ उ	से ऽ	प्रा ऽ ण	‖ प्या ऽ	रे ऽ बि	सा ऽ	रो ऽ ऽ

जयजयवंती – चौताल

भज मन प्यारे सरजनहारे,

हरे ताप छिनमें वोह देवे अभयपद. ॥ भज ॥

वारी विषय मन तज, पिले हरि रस हंस अब,

बार बार कहुं तोहे, मूरख करेगा कब. ॥ भज ॥

म् ग	ग	ग				सा सा		ग्			
रे रे	ऽ रे	ग प	म् ऽ	ग म्रे	ग सा	‖ नी़ नी़	सा रे	ग् रे	सा ऽ	रे नी़्	ध़ प़
भ ज	ऽ म	ऽ न	प्या ऽ	ऽ रेऽ	ऽ ऽ	‖ स र	ऽ ज	ऽ न	हा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ
=	०	२	०	३	४	=	०	२	०	३	४
	म्		सां						ध	प	
म् म्	रे ऽ	म् प	नी सां	नी सां	ऽ सां	‖ ऽ सां	नी् धप	ध म्	प ध	म् गरे	ग सा
ह रे	ता ऽ	प छि	न में	ऽ वो	ऽ ह	‖ ऽ दे	ऽ वेऽ	ऽ अ	भ ऽ	य पऽ	ऽ द्
अ×	सां					सां सां	ग्ं		नी		
म् म्	प नी	सां नी	सां ऽ	नी सां	ऽ सां	‖ नी नी	सां रें	ग्ंरेंसां	सां ऽ	रेंनी् ध	नी् प
वा री	ऽ वि	ष य	म ऽ	न त	ऽ ज	‖ पि ले	ह रि	र सऽ	हं ऽ	सऽ अ	ऽ ब
ग	म्		सां						ध	प	
म् ऽ	रे म्	प प	नी सां	नी सां	ऽ सां	‖ सां ऽ	नी् धप	ध म्	प ध	म् गरे	ग सा
बा ऽ	र बा	ऽ र	क हुं	तो ऽ	ऽ हे	‖ मू ऽ	र खऽ	ऽ क	रे ऽ	गा कऽ	ऽ ब

जयजयवंती – धमार

भली भई ब्रिर्जे होरी घर आए घन श्याम.

लोग कहें टोना पढ डारो ये राधा के काम.

	ग		म्					
रे सा सा	रे ग	सा सा ‖	रे म् ऽ	म् ग	रेग सारे	म् प प	प म्	ध प ‖
भ लि भ	ई ऽ	बि र्जी ‖	हो ऽ ऽ	री ऽ	घऽ रऽ	आ ऽ.ए	ध ऽ	ऽ न ‖
०	३	०	=	०	२	०	३	०

			*	ग		×		
ध म् ग	म् ऽ	रे ग्	रे सा सा	रे ग	सा सा ‖	म् ऽ ऽ	प प	सां ऽ
श्याऽ ऽ	ऽ ऽ	म ऽ	भ लि भ	ई ऽ	बि र्जी ‖	लो ऽ ऽ	ग क	हें ऽ
=	०	२	०	३	०	=	०	२

सां		सां						
नी सां ऽ	सां ऽ	नी सां ‖	सां रें सां	ऽ नी़	ध प	ऽध म् ग	म् प	ध नी़ ‖
ऽ ऽ ऽ	टो ऽ	ना ऽ ‖	प ढ डा	ऽ ऽ	रो ऽ	ऽ ये ऽ	रा ऽ	धा ऽ ‖
०	३	०	=	०	२	०	३	०

		ग्	*	ग	
ध प ऽध	म् ग	रे ग्	रे सा सा	रे ग	सा सा ‖
के ऽ ऽ	का ऽ	म ऽ	भ लि भ	ई ऽ	बि र्जे ‖
=	०	२	०	३	०

तराणा – जयजयवंती – त्रिताल

द्रे द्रे दानि तदानि तोम तननन तदारे दानि दीम तनननननन,

दीम तनननननन तदरे तदानी. ॥ द्रे द्रे ॥

आद्रिद्रेद्रे द्रेतेलाना दीम तन देरेना, तन देरेना तन देरेना तन देरेना.

रे ग्, रे सा नी़ सा, ध़ नी़ रे, ग रे , प म्, ध प, नी़ ध,

किडधेत्ता धिन धागि तिरकिट तग्डान धा धा,

तिराकिट तग्डान धा धा, तिराकिट तग्डान धा धा. ॥ द्रे द्रे ॥

.नी̣ रे ग रे
रे सा रे नी̣ | सा ध̣ ऽ नी̣ || रे ऽ नी̣ सा | रे ग म॒ प | म॒ ग म॒ रे | नी̣ ऽ सा ऽ ||
द्रे द्रे दा नि | त दा ऽ नि || तो ऽ ऽ ऽम | त न न न | त दा ऽ रे | दा ऽ नी ऽ ||
० ३ = २ ० ३

ग॒ सा म॒ रे म॒
रे ग॒ रे सा | रे नी̣ ध̣ प̣ | रे ऽ रे रे | ग ग म॒ प || सां नी̣ ध प | ध म॒ रे ग॒ |
दी ऽम्त न | न न न न | दी ऽ म्त न | न न न न || त द रे त | दा ऽ नी ऽ |
= २ ० ३ = २

* .नी रे ग रे
रे सा रे नी̣ | सा ध̣ ऽ नी̣ || रे ऽ नी̣ सा | रे ग म॒ प | म॒ ग म॒ रे | नी̣ ऽ सा ऽ ||
द्रे द्रे दा नि | त दा ऽ नि || तो ऽ ऽ ऽम | त न न न | त दा ऽ रे | दा ऽ नी ऽ ||
० ३ = २ ० ३

×
म॒ प नी नी | सां नी सां सां | रें रेंग॒ं रें सां | रें नी सां ऽ || रें नी̣ ध प | म॒ सां नी̣ ध |
आ द्रे द्रे द्रे | द्रे ते ला ना | दी ऽ म्त न | दे रे ना ऽ || त न दे रे | ना ऽ त न |
= २ ० ३ = २

प म॒ म॒ सा
म॒ म॒ ग म॒ | रे ग॒ रे नी̣ || सा ऽ रे ग॒ । रे सा नी̣ सा । ध̣ नी̣ रे ऽ, । ग रे ऽ, प ||
दे रे ना ऽ | त न दे रे || ना ऽ २ ० ३
० ३ =

म॒ ऽ, ध प । ऽ, नी̣ ध ऽ, | नी̣नी̣रेंऽ ऽसां नी̣नी̣ सांसां | धधधध धधनी̣ऽ ऽनी̣ पध ||
= २ | किडधेऽ ऽत्ता धिन धागि | तिराकिट तग्डाऽ ऽन धाधा ||
० ३

म॒ रे * नी̣
म॒म॒म॒म॒ म॒म॒पऽ ऽम॒ गम॒ | रेरेरेरे रेरेग॒ऽ ऽरे नी̣सा | रे सा रे नी̣ | सा ध̣ ऽ नी̣ ||
तिरकिट तग्डाऽ ऽन धाधा | तिराकिट तग्डाऽ ऽन धाधा | द्रे द्रे दा नि | त दा ऽ नि ||
= २ ० ३

[इति जयजयवंती राग समाप्त]

गारा – त्रिताल.

ऽ ध़ ऽ नी़ । सा ऽ रे ग ॥ म् रे ग सा । रे सा सारे सानी़ । सा ध़ ऽ नी़ । सा ऽ रे ग ॥
० ३ = २ ० ३

म् रे ग सा । रे सा सारे सानी़ । सा म् ग म् । रे ग म् प ॥ म्ग म्प म्ग रेसा ।
= २ ० ३ =

नी़सा रेम् रेसा नी़सा । ऽ ध़ ऽ नी़ । सा ऽ रे ग ॥ म् रे ग सा । रे सा सारे सानी़ ।
२ ० ३ = २

×
सा ग ऽ म् । प प ध सां ॥ सांनी धप नीध पम् । नीनी धप म्ग रेसा । ऽ म् ग म् ।
० ३ = २ ०

*
रे ग् सा रे ॥ नी़सा रेग रेग म्प । म्ध पम् गरे नी़सा । ऽ ध़ ऽ नी़ । सा ऽ रे ग ॥
३ = २ ० ३

गारा – त्रिताल

आखियां हरि दरसन की प्यासी.
देख्यो चाहत कमल नयन को, निशदिन रहत उदासी. ॥ १ ॥
केशर तिलक मोतियन की माला, वृन्दावन के बासी. ॥ २ ॥
नेह लगाय त्याग गये तृण सम, डार गये गल फांसी. ॥ ३ ॥
काहु के मन की को न जानत, लोगन के मन हांसी. ॥ ४ ॥
"सुरदास" प्रभु तुमरे दरस बिन, लेहों करवट काशी. ॥ ५ ॥

ऽ ऽ ।: ऽ ध़	नी़ रे रे ग्	सा रे सा नी़	ध़ म़् प़ ध़ (प)	॥ सा ऽ :। ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ऽ ऽ ऽ अ	खि यां ह रि	द र स न	की ऽ प्या ऽ	॥ सी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
=	२	०	३	=	२

।: ध़ ऽ सा रे	ग ऽ म् म्	ग म् ग रे	म् ग सा ऽ :	ध़ नी़ ध़ नी़	सा सा रे म् ॥
दे ऽ ख्यो ऽ	चा ऽ ह त	क म ल न	य न को ऽ	नि श दि न	र ह त उ ॥
०	३	=	२	०	३

ग् रे ऽ ध़*	नी़ रे रे ग्	सा रे सा नी़	ध़ म़् प़ ध़ (प) ॥
दा सी ऽ अ	खि यां ह रि	द र स न	की ऽ प्या ऽ ॥
=	२	०	३

गारा – चौताल.

प्यारे की मूरत चित चढी निसदिन रहत हमारे.
कर उपचार बिचार कोटि बिधि बिसरत नाहीं बिसारे.
आ हो निस रटत पपीहा प्यू प्यू बोले, तैं बिधलौं धा सांझा रांझा,
"तानसेन"' के प्रभु तुमरे दरसको नैनन सरबत जल धारे.

				ग							
ग ऽ	ग म्	प म्	ग म्	रे ग्	रे सा ‖	नी़ सा	सा ऽ	नी़् ध़	नी़् प़	म़् प़	नी़् ध़
म् ऽ	र ऽ	ऽ त	ऽ ऽ	चि ऽ	त ऽ ‖	ऽ ऽ	च ऽ	ढी ऽ	ऽ नि	स दि	न ऽ
=	०	२	०	३	४	=	०	२	०	३	४

									*		प
नी़ सा	सा ऽ	नी़ सा	सा रे	ऽ ग्	रे सा ‖	नी़ सा	रे ऽ	नि़ सा	ध़ नी़	सा ऽ	ग म्
र ऽ	ह ऽ	ऽ ऽ	त ह	ऽ ऽ	मा ऽ ‖	ऽ ऽ	रे ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ	रे ऽ	की ऽ

×

प प	प नी्	ध नी्	ध सां	नी सां	सां सां ‖	रें गं्	रें सां	नी सां	सां नी्	ध नी्	ध प
क र	उ प	ऽ ऽ	ऽ चा	ऽ ऽ	र बि ‖	चा ऽ	र को	ऽ ऽ	टि बि	धि ऽ	बि स

	म्			ग					*		प
म् ग	ग म्	प म्	ग म्	रे ग्	रे सा ‖	नी़ सा	रे नी़	सा ऽ	ध़ नी़	सा ऽ	ग म्
र त	ना ऽ	ऽ हीं	ऽ ऽ	बि ऽ	सा ऽ ‖	रे ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ	रे ऽ	की ऽ

(संचारी)

सा ऽ	प म्	ऽ पध	प म्	ग म्	ग सा ‖	रे ऽ	प म्	ग म्	ग रे	ग् रे	सा नी़
आ ऽ	हो ऽ	ऽ निस	र ट	ऽ ऽ	त प ‖	पी ऽ	हा ऽ	ऽ ऽ	प्यू ऽ	ऽ प्यू	ऽ ऽ

								म्			
सा सा	ऽ नी़्	ध़ नी़्	नी़् ध़	प़ म़्	नी़् ध़ ‖	नी़ सा	सा ऽ	ग म्	ग सा	नी़ सा	सा ऽ
ऽ बो	ऽ ले	ऽ ऽ	तैं ऽ	ऽ बि	ध ऽ ‖	लौं ऽ	धा ऽ	सां ऽ	झा ऽ	ऽ ऽ	रां ऽ

			*		प	(अभोग)					
ग ऽ	सारे नी़सा	नी़् ऽ	ध़ नी़	सा ऽ	ग म् ‖	प ऽ	नी् ध	नी् ध	सां सां	नी सां	सां सां
झा ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	प्या ऽ	रे ऽ	की ऽ ‖	ता ऽ	न ऽ	से ऽ	न के	ऽ ऽ	प्र भु

								म्	म् म्		
सां गं	मं् गं	रें गं्	रें सां	नी सां	नी् ध ‖	नी् ध	प म्	ग ग	ग ग	प म्	ग म्
तु म	ऽ रे	ऽ ऽ	द र	स ऽ	को ऽ ‖	नै ऽ	न न	स र	ब त	ऽ ज	ल ऽ

			*		प
ग रे	ग् रे	सा नी़सा	ध़ नी़	सा ऽ	ग म् ‖
धा ऽ	ऽ रे	ऽ ऽ	प्या ऽ	रे ऽ	की ऽ ‖

गारा—धमार

कर सींगार खेलनको निकसीं, अबीर लिये भर झोरी सांवरो.
होरी खेलनको आई राधिका, सुघर चतर अलबेली नार हो.

							सा सा		
रे ग्	रे सा नी़	ऽ सा	रे सा ‖	नी़् ऽ ध़	म़् ऽ	ध़ ऽ	प़ध़ नी़ नी़	ऽ सा	सा ऽ ‖
क र	सीं ऽ गा	ऽ र	खे ऽ ‖	ल ऽ ऽ	न ऽ	को ऽ	ऽ नि क	ऽ ऽ	सीं ऽ ‖
२	०	३	०	=.	०	२	०	३	०

	ग	ग						*
नी़ सा ऽ	रे रे	रे ग	म् प म्	रे ग्	रे सा ‖	ग ऽ रेग	म् ग	रे ग्
अ बी ऽ	र लि	ये ऽ	भ ऽ र	झो ऽ	री ऽ ‖	सां ऽ वऽ	रो ऽ	क र
=	०	२	०	३	०	=	०	२

	×						म्	
रे सा नी़	ध़ नी़	सा रे ‖	ग म् ऽ	ग ऽ	ग ऽ	म् प म्	रे ग्	रे सा ‖
सिं ऽ गा	हो ऽ	री खे ‖	ल न ऽ	को ऽ	आ ऽ	ई रा ऽ	ऽ ऽ	धि का ‖
०	३	०	=	०	२	०	३	०

				म्				
सा प ऽ	म् प	म् प	म् ग म्	रे ग्	रे सा ‖	ग ऽ रेग	म् ग	
सु घ ऽ	र च	त र	अ ल ऽ	बे ऽ	ली ऽ ‖	ना ऽ रऽ	हो ऽ	कर सिंगार, ई.
=	०	२	०	३	०	=	०	

तराणा—गारा—त्रिताल.

ताना तुंद्रे तद्रेदानि तारे दानि तदानि ताना तुंद्रेदानि
तारेदानि तदानि ताना तुंद्रे तद्रेदानि तारेदानि तदानि ताना तुंद्रेदानि
ताना तुंद्रे तद्रेदानि ना दिर दिर तदारे दानि नादिर दानि तदानि,
तन तुंद्रे तद्रेदानि तारे दानि तदानि.
ना दिर दिर दिर धेतेलाना दीं तन ननगन,
तदीं तन देरे तदारे तद्रेदानि तदारे तद्रेदानी तदारे तद्रेदानि. ॥ ना दिर दिर ॥

सा म् ग म्	ग रे सा नी़	सा रे ध़ नी़्	ऽ ध़ प़ ध़ ‖	ध़ रे सा रे	ऽ ऽ सां नी़
ता ना तुं द्रे	त द्रे दा नि	ता रे दा नि	ऽ त दा नि ‖	ता ना तुं द्रे	ऽ ऽ दा नि
=	२	०	३	=	२

सा रे नी़् ध़	ऽ सा नी़ सा ‖	सा म् ग म्	ग रे सा नि़	सा रे ध़ नी़्	ऽ ध़ प़ ध़ ‖
ता रे दा नि	ऽ त दा नि ‖	ता ना तुं द्रे	त द्रे दा नि	ता रे दा नि	ऽ त दा नि ‖
०	३	=	२	०	३

ध़ रे सा रे	ऽ ऽ ध़ नी़	सा रे ध़ नी़	ध़ प़ म़ म़ ‖	म़ नी़ ध़ नी़	ध़ प़ म़ म़
ता ना. तु द्रे	ऽ ऽ दा नि	ता ना तु द्रे	त द्रे दा नि ‖	ना दिर दिर त	दा रे दा नि
=	२	०	३	=	२

म़ नी़ ध़ नी़	ऽ सा नी़ सा ‖	रे ग़ रे सा	नी़ सा सा नी़	सा रे नी़ ध़	ऽ सा नी़ सा ‖
ना दिर दा नी	ऽ त दा नि ‖	त न तुं द्रे	त द्रे दा नि	ता रे दा नि	ऽ त दा नि ‖
०	३	=	२	०	३

×

‖: सा सा ग ग	ग म़ रे ग	प ऽ ग म़	ग रे नी़ सा :‖	प़ सा ऽ ग	म़ ग रे ऽ
ना दिर दिर दिर	धे ते ला ना	दी ऽ म्त न	न न न न :‖	त दी ऽ म्त	न दे रे ऽ
=	२	०	३	=	२

प ग ऽ म़	ग रे नी़ सा ‖	म़ रे ऽ ग़	रे सा नी़ सा	रे सा ऽ नी़	ध़ प़ म़ म़ ‖
त दा ऽ रे	त द्रे दा नि ‖	त दा ऽ रे	त द्रे दा नि	त दा ऽ रे	त द्रे दा नि ‖
०	३	=	२	०	३

ना दिर दिर तदारे दानि, ई. ई.

[इति गारा राग समाप्त]

भटियार – धमार (तीव्र रि प्रकार).

खेलत कान्ह होरी, संग लिये अबीर गुलाल भर झोरी.

एक गावत एक मृदंग बजावत, एक नाचत राधा किशोरी. ॥ खेलत ॥

हम जानत तुम बडो है खेलारी, सब सखियन संग करत हैं चोरी.

अबनखां गुनी यहि कहत हैं, बात करत हम संग ये भोरी. ॥ खेलत ॥

ऽ सा	प ऽ म़	ग रे	सा ऽ ‖	रे ऽ ऽ	सा ऽ	रे सा	नी़ ध़ सा	रे ऽ	सा ऽ ‖
ऽ खे	ल ऽ त	का ऽ	न्ह ऽ ‖	हो ऽ ऽ	री ऽ	सं ऽ	ऽ ऽ ऽ	ग ऽ	ऽ ऽ ‖
२	०	३	०	=	०	२	०	३	०

				नी	नी	नी		
सा ध़ नी़	प़ ऽ	ऽ प़	प़ ध ऽ	ध ऽ	ध ऽ ‖	ध नी ऽ	प ऽ	ध ऽ
लि ऽ ऽ	ये ऽ	ऽ अ	बी ऽ ऽ	र ऽ	गु ऽ ‖	ला ऽ ऽ	ल ऽ	भ ऽ
=	०	२	०	३	०	=	०	२

सां								
ध सां ऽ	नी़ ऽ	ध ऽ ‖	सां ऽ नी़	ध प	ऽ ध	प म़ ऽ	प म़	ग ऽ ‖
र ऽ ऽ	झो ऽ	ऽ ऽ ‖	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ ‖
०	३	०	=	०	२	०	३	०

[श्रुतिस्वर के झगडे का फैंसला.]

भारतीय श्रुति–स्वर–राग शास्त्र

प्रा ... त
है उसका पू ... वं
सर्व संगीतप्रे ... क
व मध्यमग्रा ... के
स्वरों के श्रु ... क
सिद्ध होगा. ... के
अध्ययन से ... त्र
मुफ्तमें भेजेंगे

संगीत प्रेमीओं को रागों का उत्तम प्रकार का शास्त्रीय ज्ञान हो इस लिये उपरोक्त पुस्तक हमने दो भाग में प्रकाशित किया है. ये दोनों भाग में प्रचलित ११५ रागों के संक्षिप्त विवरण तथा स्वरताललिपिबद्ध बहोत उत्तम **हिंदी लक्षण–गीतें** दियें है. ये दोनों पुस्तकों को अच्छी तरह पढनेसे राग सम्बन्धी कोईभी बात बाकी न रह जायगी.

प्रथम भाग में ४० राग का समावेश किया है. **मूल्य १॥ रुपया.** द्वितीय भाग में लगभग ७५ राग का समावेश किया है. **मूल्य रु. २–८–०.**

रचयिता व प्रकाशक:

पंडित फिरोझ फ्रामजी,
संगीतशास्त्री.

३२२, मेन स्ट्रीट,
कँप–पुना.